

फर्द अहकाम

सु. नं० 03/15 तारीख रजु 3.2.15

उपनाम - मिस्त्री लाल बनाम जयशंकर

दावा वाकत इस्त करार हक तकास्मा वस्थायी
निषेधाज्ञा

वादी की ओर से श्री मदन मोहन शर्मा Adv.
ने दावा वाकत घोषणा खाते दारी, तकास्मा
वस्थायी निषेधाज्ञा पेश किया। वस्तावजो
का अवलोकन किया गया। दावा दर्ज रजि-
स्टर कर प्रतिवादी को सम्मन से तलब
कर दिनांक 16.2.15 को पेश हो।

58.87
3.2.15

उपजिला कलेक्टर
टोडाभीम (करौली)

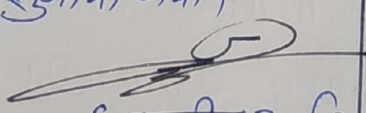
2
15 वादी वकील उपनाम वादी नं० 1 तथा 4 की
ओर से श्री सुनील कुमार जिन्दल Adv.
ने कालतनामा पेश किया। प्रतिवादी
नं० 5 तथा 13 एवं 15 तथा 29 का रजु रजु सुचना
उपलब्ध नहीं। इनके दिक्कत एक पक्षीय
कार्यवाही अमल में लाई जाती है।
प्रतिवादी नं० 14 का सम्मन अदम तारिख
प्राप्त हुआ है। प्रतिवादी नं० 30 का सम्मन
वाकिस प्राप्त नहीं हुआ है वादी वकील
प्रतिवादी नं० 14, 30 के सम्मन तलवाला पुनः
पेश करे वनावली दिनांक 13.3.15
को पेश हो।

मिस्त्री लाल

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोड

दिनांक	फर्द अहकाम
25 ² / ₁₆	<p>वकुलाय उपस्थित/पीठसन अधिकारी <u>कमल</u> <u>पट्टाचौह</u> है। अतः पत्रावली गतादुसार दिनांक <u>11-3-16</u> को पेश हो।</p>
11-3-16	<p>वकुलाय उप०। वादी वकील ने प्रतिवादी नं० 14 का सम्मान न लवाना पेश किया। वास्तुतः वादी दि 18-4-16 को पेश हो।</p>
18-4-16	<p>वकुलाय उप०। प्रतिवादी नं० 14 का सम्मान जीपे रजिस्ट्री जारी हो चुका है, वदनाजार प्राप्तिरहीत दिनांक 17-5-16 को पेश हो।</p>
	<p>पत्रावली राजस्व लोक अदालत न्याय विभाग डार कैम्प कोर्ट खोला में पेश दिनांक 24-6-16 को पेश हो।</p>
24-6-16	<p>पत्रावली राजस्व लोक अदालत न्याय विभाग डार कैम्प कोर्ट खोला में पेश हुई। वादी मिनीताल उपस्थित। प्रतिवादी जमीन उपस्थित। दोनों पक्षों को सुना गया। खं. नं० 99। रकबा 8 ऐयर किस्म डार मु. न्याय का बंधन का निवेदन आगले दोषणा</p>

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम 3

क्र.सं.	फर्द अहकाम	दिनांक
	<p>स्वातेदारी क्राकू ह्यापी निषेधाज्ञा से पाबंद कएने का पेश किया है। भूमि की जिसमें 000 मु. चार एकड़ इरेया से संबंधित है।</p> <p>प्रथमतः तो जिसमें 000 मु. चार का बंधन किया जाना संभव नहीं है तथा उक्त खसरा नम्बर में इरेया भूमि की जिसमें 30 हिलेदा है जिसका अंका पृष्ठका होना किसी प्रकार से संभव नहीं है तथा सहस्वातेदारों को ह्यापी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित नहीं समझा है। उपरोक्त विवेक के आधार पर वादी का दावा खारिज योग्य होने के कारण खारिज किया जाता है। पत्नी डिक्री जारी है। पत्रावली फंसल शुमा होका नम्बर से कम होका दाखिल दफत है।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 24.6.16 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: center;">  (जगदीश आर्य) </p>	